

मनुष्यो धर्मीणि केतो RV. 1, 128, 1. आया यत् आमु मदाति दवाः 173, 8. स्तोत्राणि राये सुभरे वेद्यस्याम् 2, 3, 4. मा न आयो रीरयो डुक्कुराभ्यः 32, 2. 10, 17, 10. अस्मा एतन्महोदयमस्मा इन्द्राय स्तोत्रं मतिभिर्वाचि 6, 34, 5. को वा दाशत्सुमतेर्ये चिदस्यै 1, 158, 2. बोधा मे अस्य वचसः 147, 2. 131, 4, 5. इदमुदके पिबत 161, 8. इमा ब्रह्मा सरस्वति नृपस्य 2, 41, 18. उपेमं चारुमधुम् 5, 71, 1. अत्रिरे मे नमोति AV. 5, 20, 7. विराडा इदमग्रं आसीत्तस्या ज्ञातायाः सर्वमविभेत् । इमेवेदं भविष्यतीति । die Virāḡ war am Anfang dieses (ein Unbestimmtes), nach ihrer Geburt fürchtete Alles, sie werde dieses (oder jenes) werden, AV. 8, 10, 1. स वा अनेनैवाज्ञां प्रयच्छत्पनेन राजानमादत्ते mit dieser (Hand) und mit dieser (bei einer Gebärde) Çat. Br. 3, 3, 3, 9. 2, 2, 4, 1. इदं विश्वम् oder सर्वम् dieses All, die Welt AV. 7, 1, 2. 11, 1. 20, 6. 10, 8, 6. 10, 26. Çat. Br. 13, 2, 2, 13. M. 1, 27, 51. ebenso इद्म् ohne Beisatz RV. 1, 22, 17. AV. 9, 3, 20 (doch wäre in diesen Fällen auch die adv. Bed. möglich; s. u. 2. इद्म्). इद्म् ohne Beisatz: diese Erde AV. 9, 5, 20. 6, 17. Çat. Br. 1, 7, 2, 15. 3, 2, 3, 1. अथेमापुपावेत्तमापो जपति । नमो मात्रे पृथिव्यै 5, 2, 1, 18. 5, 3, 7. 7, 4, 1, 8. अतो वै पितेयं माता 12, 8, 1, 21. — पृथिवीमपि चैवामाम् M. 1, 105. N. 4, 9. 17, 4. इमाः प्रजाः M. 1, 26. 7, 123, 142. लोकाननुचरन्तिमान् Viçv. 9, 19. कृत्वा लोकानपीमास्त्रिन् (die bekannten) M. 11, 261. इमामुप्रातया वेलाम् (gegenwärtig) Çāk. 32, 13. द्विपो ज्यम् dies ist ein Elephant Daç. 2, 14. नायमस्ति dies ist er nicht N. 7, 16. इदमलंकरणम् dies (hier) ist der Schmuck Çāk. 50, 2. इमे स्मः hier sind wir 52, 3. अयं संप्रातः समयो जलदागमः R. 4, 27, 2. नायं कालो विलम्बितुम् N. 20, 11. Çāk. 12, 11. तस्य कालो ज्यमागतः dazu ist jetzt die Zeit gekommen Viçv. 12, 9. कदागतो ऽसि । अयमागच्छामि ich komme so eben P. 3, 3, 131. Sch. अयमयमागच्छामि Çāk. 42, 5. Auf etwas unmittelbar Vorangehendes zurückweisend: उदिते ऽनुदिते चैव समयाध्युषिते तथा । सर्वथा वर्तते यज्ञ इतीयं वैदिकी श्रुतिः M. 2, 15. इयाध्ययनदानानि तपः सत्यं क्षमा दमः । अलोभ इति मार्गो ऽयं धर्मस्याष्टविधः स्मृतः ॥ MBh. 3, 124. Sehr häufig weist इद्म् auf etwas unmittelbar Folgendes hin, während एतद् auf etwas Vorangehendes hindeutet: श्रुतेनानृषयो धर्मान्ज्ञातकस्य यथोदितान् । इदमूर्चनकात्मानम् M. 5, 1, 74. 3, 147. 9, 325. 10, 7. 11, 102. 107. 169. 179. 12, 82. vgl. 1, 1. 3, 12. 20. 43. 258. 4, 13. 87. 101. 181. u. s. w. N. 7, 4. 8, 3. 9, 20. 17, 16. Oft in Verbindung mit यद्, तद्, एतद्, किम् und einem pron. pers., theils zur Verstärkung der Hinweisung: wer hier, der hier, theils nur grössere Verboisheit und Förmlichkeit der Rede: यो ऽयं पवते Çat. Br. 2, 2, 2, 6. 4, 4, 1. इमो जिति विगुणैषामियं जितिः 1, 6, 2, 1. यदिदमद्यते 14, 4, 3, 2 (= Bṛh. År. Up. 1, 3, 2). Kenop. 18. Hip. 3, 19. Viçv. 9, 4. Vid. 1, 109. P. 3, 3, 135. Sch. तस्य गन्धर्वा विशस्त इम आसते Çat. Br. 13, 4, 3, 7. इमास्ताः R. 5, 13, 31. सेयम् Hip. 1, 34. 36. 38. वाक्यं तदिदमब्रुवन् R. 6, 84, 16. सो ज्यमत्रभवानेवामाकृ Çāk. 67, 6. सो ऽयं विद्वषकः प्राप्तः Vid. 177. सकलार्थशास्त्रसारं जगति समालोक्य विष्णुर्नमदम् । तन्नैः पञ्चमिरतश्चकार सुमनोकरं शास्त्रम् ॥ Pañkāt. Pr. 3. को ज्यमायाति Hit. 18, 11. को ज्यमाचरत्यविनयम् Çāk. 24. कतमो ऽयं सानुमानालोक्यते Çāk. 99, 15. अकमयम् Çat. Br. 14, 4, 2, 1. 6, 11, 6 (= Bṛh. År. Up. 1, 4, 1. 4, 2, 4). Ait. Br. 1, 28. इदं प्रथमं, इदं द्वितीयं der dieses zum ersten, zweiten Male that P. 5, 2, 162. in der Bedeutung अनेन प्रथमः oder अयं प्रथमः (d. i. प्रधानम्) एषाम् bat das comp. eine andere Betonung, Sch. ebend. इदमादीनि त्रीणि सूक्तानि Sā. in der Einl. zu RV. 1, 103.

2. इद्म् (acc. vom vorherg.) adv. hier, hierher; jetzt, gerade; da, hiermit (in feierlicher Rede): हूतो निर्हत्या इदमा जगाम RV. 10, 163, 1. किमिच्छती सरमा प्रेदमानम् 108, 1. स वागमं कृत्स्न उपदेमेहि AV. 3, 4, 5. दिवः स्पशः प्र चरन्तिदमस्य 4, 16, 4. 7, 64, 1. 2. 8, 9, 22. 14, 2, 19. 74. इदमकमवगमोः सदनं सोदाम ein Spruch in Kauc. 3. इमिद्वा उ नापरं दिवि पश्यसि सूर्यम् jetzt noch AV. 18, 2, 50. Çat. Br. 3, 7, 4, 9. तामिदं विर्वहामि ते den schüttle ich dir hiermit ab RV. 10, 163, 6. AV. 1, 31, 1. 3, 23, 1. 6, 33, 1. 136, 1. 7, 74, 2. 9, 3, 5. 10, 3, 15. 36. इदमकं रुणतं ग्रामम् (अपोकामि) 14, 1, 38. इद्यास्मेदं सरस्वति 6, 94, 3. तस्माद्देदं भरतानो पशवः — संगविनीमायति Ait. Br. 3, 18. इदं वै मा सोमादत्तयति Çat. Br. 1, 6, 3, 7. 8, 3, 6. इदमिदम् da und dort, hin und wieder: यं त्रायं इदमिदं देवासः RV. 7, 39, 1. यो न इदमिदं पुरा प्र वस्य आनिनायं 8, 21, 9. AV. 9, 5, 23. Ausserdem pflegt es wie अद्म् Relativen in ausdrucksvollerer oder förmlicher Redeweise beigegeben zu werden: da wo, so wie u. s. w.: न वि ज्ञानामि यदिदमस्मि ich weiss nicht, was ich denn bin, was ich eben bin RV. 1, 164, 37. तेनेष्ट्रेन्द्र एतदभवद्यदिदमिन्द्रः nachdem er damit geopfert, wurde Indra (erst recht) Indra Çat. Br. 1, 6, 3, 15. इक्ष्वामेतं शक्रोर्पित्रेदं वेश्यामि वः AV. 3, 13, 7. यत्काम इदमभिपिच्छामि वः 6, 122, 5. इदं सर्वं यत्किं चेदं विरोचते 13, 1, 55. यन् सौम्येदं महामना अनूचमानी स्तब्धो ऽसि Kāṇḍ. Up. 6, 1, 3. यथा ह वा इदं निषादा वा सेलगा वा — वितमादाय द्रवति Ait. Br. 8, 11. ते ह यथेवेदं वक्षिष्यमानेन स्तोत्रमाणाः संख्याः सर्पतीत्येवम् u. s. w. Kāṇḍ. Up. 1, 12, 4. Auch beim interrog.: क इदं न अब्रुवुत् wer hat uns denn geweckt? RV. 1, 161, 13. किमिदं ज्ञापमास्यते Çāk. 66, 16 (v. l. für इति).

इदंप्रकारम् (von इद् + प्रकार्) adv. auf diese Weise Vop. 7, 110.

इदमय (von इद्म्) adj. aus diesem bestehend Çat. Br. 14, 7, 2, 6.

इदा (von 2. इ) adv. jetzt, in diesem Augenblick Naigh. 3, 28. P. 5, 3, 20. इदा हि ते वेविपतः पुराजाः प्रत्नासं आसुः पुरुकृत्सवायः RV. 6, 21, 5. इदा विप्राय जरेते यदुक्त्वा नि ष्म मावते वरुधा पुरा चित् 65, 4, 5. 4, 34, 4. öfters in Verbindung mit genitt. von अकृन् jetzt am Tage, heute am Tage, heutigen Tages: इदा चिदक्रं इदा चिदक्रोः 4, 10, 5. इदाक्रः पीतिमूत वो मदं धुः 33, 11. इदा — अक्राम 34, 1. 8, 22, 11. इदा — अक्रानाम् 13. auch mit क्त्वा gestern erst: व्यमैनमिदा क्त्वा ऽप्येमेकं वज्रिणाम् । तस्मो उ अय्य सेमना सुते भर 8, 35, 7. 88, 1. — Vgl. इदावत्सर und इदानीम्.

इदानीत्तन (von इदानीम्) adj. f. ई jetztig (gegenüber प्राक्तन) Sā. D. 26, 2. Davon nom. abstr. ०त्तनत् Kull. zu M. 12, 96.

इदानीम् (इदानीम् P. 5, 3, 18, Vārtl., Sch.) adv. 1) jetzt, in diesem Augenblick, nun, in diesem Falle, gerade Naigh. 3, 28. P. 5, 3, 18. Vop. 7, 110. AK. 3, 3, 23. H. 1530. an. 7, 56. Med. a. vj. 62. नेदानो पीतिरश्चिना ततान RV. 5, 76, 3. 1, 33, 7. यत्रेदानीं पश्यसि तिष्ठेत्तम् wo du gerade Einen stehen siehst 10, 87, 6. auch mit genn. von अकृन् (wie इदा): उतेदानीं भगवतः स्यमिात प्रपिब उत मध्ये अक्राम 7, 41, 4. इदानीमक्रं उपवाच्यो नृभिः 4, 34, 1. यदिदानीं (wenn gerade) द्वौ विवदमानावेयाताम् Çat. Br. 1, 3, 1, 27. — प्रतिष्ठस्वेदानीम् Çāk. 52, 1. तमिदानीं (sogleich) न भविष्यसि 94, 2. Hit. 3, 20. 17, 19. 35, 19. Ragh. 1, 80. न तर्हिदिनीम् (nun, in diesem Falle) अवगत्साधनुक्रमणं कर्तव्यम् Pat. zu P. 3, 1, 11, ed. Calc. इदानीमेव so eben Çāk. 7, 15. 60, 17. sogleich 112, 14. इदानीमपि auch jetzt, auch in diesem Falle Hit. 14, 3. noch immer Çāk. 3, 6. mit